प्रश्नकोष

1. **रणजीत सिंह के राज्य में सम्मिलित था?**
(a) दिल्ली (b) काबुल
(c) मकराना (d) श्रीनगर

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर–(d)

रणजीत सिंह का जन्म 13 नवंबर, 1780 को सुकरचकिया मिसल के मुखिया महासिंह के घर हुआ था। महाराजा रणजीत सिंह और अंग्रेजों के बीच 25 अप्रैल, 1809 को अमृतसर की संधि हुई। संधि का तात्कालिक प्रभाव यह हुआ कि रणजीत सिंह का सतलज पार के सिख राजाओं के ऊपर प्रभुत्व जमाने का स्वप्न टूट गया, परंतु दूसरी ओर जैसा कनिंघम ने कहा है कि रणजीत सिंह को पश्चिम दिशा में प्रसार करने की खुली छूट मिल गई। उसने 1818 ई. में मुल्तान, 1819 ई. में कश्मीर और 1834 ई. में पेशावर को जीत लिया। इस प्रकार प्रश्नगत विकल्पों में श्रीनगर रणजीत सिंह के राज्य में सम्मिलित था।

2. **रणजीत सिंह का संबंध किस मिसल से था?**
(a) अहलुवालिया (b) डलेवालिया
(c) कन्हैया (d) सुकरचकिया

M.P.P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. **रणजीत सिंह किस मिसल से संबंधित थे?**
(a) सुकरचकिया (b) संधावालिया
(c) अहलूवालिया (d) रामगढ़िया

U.P. P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. **महाराजा रणजीत सिंह के राज्य की राजधानी थी–**
(a) अमृतसर (b) पटियाला
(c) लाहौर (d) कपूरथला

U.P. P.C.S. (Pre) 1995
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर–(c)

1798 ई. में अफगानिस्तान के शासक जमान शाह ने पंजाब पर आक्रमण किया। वापस जाते समय उसकी तोपें चिनाब नदी में गिर गईं। रणजीत सिंह ने उन्हें निकलवा कर वापस भिजवा दिया। उस सेवा के बदले जमान शाह ने उसे लाहौर पर अधिकार करने की अनुमति दे दी। 1799 ई. में रणजीत सिंह ने तत्काल लाहौर पर अधिकार कर लिया तथा उसे अपनी राजधानी बनाया।

5. **राजा रंजीत सिंह ने किस स्थान पर अदालत-ए-आला की स्थापना की?**
(a) अमृतसर (b) लाहौर
(c) फिरोजपुर (d) मुल्तान

U.P.P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(b)

रंजीत सिंह की न्याय व्यवस्था कठोर थी। राज्य की सर्वोच्च अदालत का नाम अदालत-ए-आला था। यह अदालत लाहौर में स्थित थी। रंजीत सिंह स्वयं उसके प्रधान न्यायाधीश थे।

6. **रणजीत सिंह ने सुप्रसिद्ध कोहिनूर हीरा प्राप्त किया था–**
(a) शाहशुजा से (b) जमानशाह से
(c) दोस्त मोहम्मद से (d) शेरअली से

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

पंजाब अहमदशाह अब्दाली के साम्राज्य का भाग था, परंतु 1773 ई. में उसकी मृत्यु के पश्चात मुल्तान, कश्मीर इत्यादि कुछ छोटे-छोटे भागों को छोड़कर शेष पर सिख मिसलों का अधिकार हो गया। उधर अफगानों के आंतरिक झगड़ों के कारण रणजीत सिंह को अपनी स्थिति दृढ़ करने का अवसर मिल गया। 1800 ई. में अहमदशाह अब्दाली का पौत्र शाहशुजा काबुल की गद्दी पर बैठा, परंतु उसके भाई शाह महमूद ने शक्तिशाली बरकजई सरदारों–फतह खां और दोस्त मुहम्मद की सहायता से उसे 1809 ई. में विस्थापित कर दिया तथा स्वयं कश्मीर और पेशावर पर अधिकार कर लिया। इसी अवसर पर शाहशुजा ने काबुल का राज्य प्राप्त करने के लिए रणजीत सिंह से सहायता मांगी और उन्हें कोहिनूर (कोह-ए-नूर) हीरा भेंट किया।

7. **निम्नलिखित में से किसने कहा था, "ईश्वर की इच्छा थी कि मैं सब धर्मों को एक निगाह से देखूं, इसीलिए उसने दूसरी आंख की रोशनी ले ली"?**
(a) महाराजा रणजीत सिंह (b) महाराजा शेरसिंह
(c) महाराजा दलीप सिंह (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(a)

रणजीत सिंह का जन्म 13 नवंबर, 1780 को सुकरचकिया मिसल के मुखिया महासिंह के घर हुआ था। वह 12 वर्ष के ही थे कि उनके पिता का स्वर्गवास हो गया। 1792 से 1797 ई. तक एक प्रतिशासन परिषद (Council of Regency), जिसमें इनकी माता, सास और दीवान लखपत राय थे, ने शासन कार्य चलाया। 1797 ई. में उन्होंने समस्त कार्यभार स्वयं संभाल लिया। रणजीत सिंह ने लाहौर पर 1799 ई. में, अमृतसर पर 1805 ई. में तथा फरीदकोट, मालेर, कोटला और अंबाला पर 1808 ई. में विजय प्राप्त की। रणजीत सिंह एक योग्य शासक थे। उन्होंने कहा था "ईश्वर की इच्छा थी कि मैं सब धर्मों को एक निगाह से देखूं, इसीलिए उसने दूसरी आंख की रोशनी ले ली।"

Scanned with OKEN Scanner

8. महाराजा रणजीत सिंह के उत्तराधिकारी थे–

(a) हरिसिंह नलवा (b) खड्ग सिंह

(c) शेरसिंह (d) नौनिहाल सिंह

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(b)

1839 ई. में रणजीत सिंह की मृत्यु के बाद उनका पुत्र खड्ग सिंह सिंहासन पर बैठा।

9. सिख राज्य का अंतिम राजा कौन था?

(a) खड़क सिंह (b) शेर सिंह

(c) नव निहाल सिंह (d) दलीप सिंह

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2013

उत्तर–(d)

महाराजा दलीप सिंह सिख साम्राज्य के अंतिम शासक थे। उन्होंने 1843 से 1849 ई. तक शासन किया।

10. पंजाब के पूर्व महाराजा दलीप सिंह के विषय में निम्नलिखित में से कौन एक कथन सत्य है?

(a) 23 अक्टूबर, 1893 को उनका निधन पेरिस में हुआ।

(b) नासिक में उनकी अन्त्येष्टि हुई।

(c) उन्होंने कभी भी सिख धर्म नहीं छोड़ा था।

(d) वह कभी भी रूस नहीं गए थे।

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(a)

पंजाब के पूर्व महाराजा दलीप सिंह का निधन 22 या कुछ स्रोतों के अनुसार 23 अक्टूबर, 1893 को पेरिस (फ्रांस) में हो गया था। शेष सभी कथन असत्य हैं। दलीप सिंह ने सिख धर्म छोड़कर ईसाई धर्म को अपनाया था, इन्होंने रूस की यात्रा भी की थी। इनकी अन्त्येष्टि इंग्लैंड में हुई थी।

11. सिख साम्राज्य का अंतिम शासक था–

(a) दलीप सिंह (b) नौनिहाल सिंह

(c) रणजीत सिंह (d) शेर सिंह

U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(a)

पंजाब के सिख साम्राज्य के अंतिम शासक दलीप सिंह थे। 1849 ई. में द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध की समाप्ति पर अंग्रेजों द्वारा पंजाब का विलय कर लिया गया तथा दलीप सिंह को पेंशन देकर बाद में ब्रिटेन भेज दिया गया।

12. पंजाब के विलय के पश्चात पंजाब पर शासन करने के लिए निम्नलिखित में से कौन 'तीन की परिषद' का सदस्य नहीं था?

(a) एच.एम. इलियट (b) सर हेनरी लॉरेंस

(c) जॉन लॉरेंस (d) रॉबर्ट मॉन्टगोमरी

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(a&d)

पंजाब के ब्रिटिश साम्राज्य में विलय के बाद लॉर्ड डलहौजी ने 1849 ई. में पंजाब पर शासन करने के लिए तीन लोगों की एक परिषद का गठन किया था, जिसमें सर हेनरी लॉरेंस को अध्यक्ष तथा जॉन लॉरेंस और चार्ल्स ग्रेनविल मानसेल को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था। एच.एम. इलियट तथा रॉबर्ट मॉन्टगोमरी इस परिषद से संबंधित नहीं थे।

13. प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1766-69 ई.) में कौन विजयी हुआ?

(a) अंग्रेज (b) हैदर अली

(c) मराठा (d) हैदराबाद का निजाम

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर–(b)

प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1767-69 ई.) अंग्रेजों और हैदर अली के मध्य हुआ था। निजाम, मराठे एवं अंग्रेज हैदर के विरुद्ध एक त्रिगुट संधि में सम्मिलित हुए। हैदर ने अपनी कूटनीतिक सूझ-बूझ से इस त्रिगुट को भंग करने का प्रयास किया। उसने मराठों को धन देकर और निजाम को प्रदेश का प्रलोभन देकर अपनी ओर मिला लिया और फिर कर्नाटक पर आक्रमण किया। अंग्रेजों की प्रारंभिक सफलता के कारण निजाम पुनः अंग्रेजों की ओर चला गया। हैदर अली ने उत्साहपूर्वक लड़ते हुए 1768 ई. में मंगलौर पर अधिकार कर लिया। मार्च, 1769 ई. में उसकी सेनाएं मद्रास तक जा पहुंची। अंग्रेजों ने विवशता में हैदर अली की शर्तों पर 4 अप्रैल, 1769 को 'मद्रास की संधि' की।

14. निम्नलिखित में से कौन 1755 में डिंडीगुल मैसूर में एक आधुनिक शस्त्रागार की स्थापना की थी?

(a) नंजराज (b) हैदर अली

(c) देवराज (d) चिक्का कृष्णराज

U.P. P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(b)

1742 ई. में वेंकट राय के नेतृत्व में मैसूर सेना ने डिंडीगुल पर विजय प्राप्त की। 1755 ई. में मैसूर के महाराज ने स्थिति को संभालने के लिए हैदर अली को डिंडीगुल भेजा। 1755 ई. में हैदर अली ने डिंडीगुल पर कब्जा कर लिया और इस किले को एक सैन्य चौकी में बदल दिया। बाद में हैदर अली मैसूर का वास्तविक शासक बन गया और 1777 ई. में उन्होंने पुरशीन मीरसाहेब को डिंडीगुल का गवर्नर नियुक्त किया।

15. ब्रिटिश जनरल जिसने हैदर अली को पोर्टो नोवो के युद्ध में हराया–

(a) कैप्टन पौपहेम (b) सर आयरकूट

Scanned with OKEN Scanner

(c) सर हेक्टर मुनरो (d) जनरल गोडुार्ड

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(b)

1781 ई. में हैदर अली का सामना अंग्रेज जनरल आयरकूट से हुआ, जिसने पोर्टो नोवो के युद्ध (1 जुलाई, 1781) में हैदर अली को परास्त किया।

16. टीपू सुल्तान ने अपनी राजधानी बनाई–

(a) श्रीरंगपट्टनम में (b) मैसूर में

(c) बंगलौर में (d) कोयम्बटूर में

38th B.P.S.C. (Pre) 1992

उत्तर–(a)

टीपू सुल्तान ने श्रीरंगपट्टनम को अपनी राजधानी बनाया एवं यहां जैकोबिन क्लब की स्थापना की और उसका सदस्य बना।

17. निम्नलिखित भारतीय शासकों में से कौन था, जिसने विदेशों में आधुनिक पद्धति से दूतावास स्थापित किए थे?

(a) हैदर अली (b) मीर कासिम

(c) शाह आलम II (d) टीपू सुल्तान

I.A.S. (Pre) 2001

U.P. P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर–(d)

टीपू सुल्तान ने आधुनिक पद्धति से विदेशों में दूतावास स्थापित किए थे।

18. टीपू सुल्तान ने ब्रिटिश सेना को 1780 ई. में हराया था–

(a) हैदराबाद में (b) पोल्लीलुर में

(c) सेरिंगपट्टनम में (d) निजामाबाद में

U.P. P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर–(b)

हैदर अली एवं टीपू सुल्तान ने मराठों तथा निजाम के साथ एक समझौता कर लिया तथा फ्रांसीसी सहायता का वचन ले लिया तथा कर्नाटक पर जुलाई, 1780 में आक्रमण करके अर्काट पर अधिकार कर लिया। तत्पश्चात टीपू ने हेक्टर मुनरो की सेना को पोल्लीलुर नामक स्थान पर हरा दिया।

19. अंग्रेजों ने श्रीरंगपट्टनम की संधि किसके साथ की थी?

(a) हैदर अली (b) डूप्ले

(c) टीपू सुल्तान (d) नन्दराज

42nd B.P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1790-92 ई.) का अवसान श्रीरंगपट्टनम की संधि (मार्च, 1792) द्वारा हुआ। इस संधि में अंग्रेजों की ओर से कॉर्नवालिस तथा मैसूर से टीपू सुल्तान शामिल थे। इसके अनुसार, टीपू को अपने राज्य का लगभग आधा भाग अंग्रेजों तथा उनके साथियों को देना पड़ा। साथ ही युद्ध के हर्जाने के रूप में टीपू को तीन करोड़ रुपये अंग्रेजों को देना था। श्रीरंगपट्टनम की संधि में यह शामिल था कि जब तक टीपू तीन करोड़ रुपये नहीं देगा, तब तक उसके दो पुत्र अंग्रेजों के कब्जे में रहेंगे। कॉर्नवालिस ने इसी संधि के बाद यह टिप्पणी की थी "हमने अपने शत्रु को प्रभावशाली ढंग से पंगु बना दिया है तथा साथियों को भी शक्तिशाली नहीं बनने दिया।"

20. टीपू सुल्तान अंग्रेजों के साथ युद्ध में कब मारे गए?

(a) 1857 (b) 1799

(c) 1793 (d) 1769

M.P. P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(b)

टीपू सुल्तान चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध (1799 ई.) के दौरान अंग्रेजों से लड़ते हुए मारा गया।

21. निम्नलिखित में से कौन एक सुमेलित है?

(a) प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध - हैदर अली पराजित हुआ था।

(b) द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध - हैदर अली ने अंग्रेजों को पराजित किया।

(c) तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध - टीपू सुल्तान युद्ध जीता और अपना भू-भाग अंग्रेजों को नहीं दिया।

(d) चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध - टीपू पराजित किया गया और युद्ध के मध्य दिवंगत हुआ।

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(d)

1. प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध 1767-69 ई. में हुआ। इस दौरान अंग्रेज गवर्नर वेरेल्स्ट था। युद्ध 4 अप्रैल, 1769 को मद्रास की संधि द्वारा समाप्त हुआ।
2. द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध 1780-84 ई. तक चला। इस दौरान अंग्रेज गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स था। यह युद्ध 1784 ई. की मंगलौर की संधि द्वारा समाप्त हुआ।
3. तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध 1790-92 ई. तक चला। इस दौरान अंग्रेज गवर्नर जनरल लॉर्ड कॉर्नवालिस था। अंग्रेजों के विरुद्ध सहायता के लिए टीपू सुल्तान ने तुर्की से सहायता प्राप्त करने का प्रयत्न किया। 1784-85 ई. में उसने एक दूत कुस्तुंतुनिया भेजा। 1787 ई. में टीपू ने एक दूतमंडल फ्रांस भी भेजा। यह युद्ध 1792 ई. की श्रीरंगपट्टम की संधि द्वारा समाप्त हुआ।
4. चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध 1799 ई. में हुआ। इस दौरान अंग्रेज गवर्नर जनरल लॉर्ड वेलेजली था। 4 मई, 1799 को अंग्रेजी सेना ने श्रीरंगपट्टम का दुर्ग जीत लिया और टीपू ने लड़ते-लड़ते वीरगति पाई। टीपू के कुल के सदस्यों को वेल्लौर में कैद कर दिया गया।

Scanned with OKEN Scanner

22. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए -

सूची-I	सूची-II
A. इलाहाबाद की संधि	1. 1782
B. मंगलौर की संधि	2. 1784
C. सालबाई की संधि	3. 1769
D. मद्रास की संधि	4. 1765

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	2	3	1
(b)	2	4	3	1
(c)	4	2	1	3
(d)	2	4	1	3

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(c)

इलाहाबाद की प्रथम संधि अंग्रेजों और मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय के मध्य 12 अगस्त, 1765 को हुई थी, जबकि इलाहाबाद की द्वितीय संधि अंग्रेजों और अवध के नवाब शुजाउद्दौला के बीच 16 अगस्त, 1765 को हुई। **मंगलौर की संधि** द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1780-84 ई.) के बाद अंग्रेजों और टीपू सुल्तान के मध्य 1784 ई. में हुई थी। **सालबाई की संधि** प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध (1775-82 ई.) के बाद महादजी सिंधिया की मध्यस्थता में अंग्रेजों और मराठों के मध्य 1782 ई. में हुई थी। **मद्रास की संधि** प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1767-69 ई.) के बाद 1769 ई. में हैदर अली और अंग्रेजों के बीच हुई थी।

23. बेगम समरु ने एक अति प्रसिद्ध चर्च का निर्माण करवाया–

(a) माउंट आबू में (b) नैनीताल में
(c) सरधना में (d) कानपुर में

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(c)

बेगम समरु (1750–1836 ई.) ने एक अति प्रसिद्ध चर्च का निर्माण मेरट के निकट सरधना में कराया था।

24. निम्न कथनों में से कौन-सा एक सही नहीं है?

(a) अली मर्दान खान ने बंगाल में राजस्व कृषि पद्धति प्रारंभ की
(b) महाराजा रणजीत सिंह ने लाहौर में तोपों के निर्माण के लिए आधुनिक ढलाई खाने स्थापित किए
(c) आमेर में सवाई जयसिंह ने यूक्लिड के 'रेखागणित के तत्वों' का संस्कृत में अनुवाद कराया
(d) मैसूर में टीपू सुल्तान ने शृंगेरी मंदिर में देवी शारदा की मूर्ति के निर्माण के लिए धन दिया

I.A.S. (Pre) 2003

उत्तर–(a)

रणजीत सिंह ने तोपखाने पर अधिक बल दिया था। लाहौर तथा अमृतसर में तोपें, गोला और बारूद बनाने के कारखाने लगाए गए। आमेर के सवाई जयसिंह ने यूक्लिड के 'रेखागणित के तत्वों' का संस्कृत में अनुवाद कराया। सवाई जयसिंह ने जयपुर, दिल्ली, बनारस आदि नगरों में 5 वेधशालाएं भी बनवाईं। टीपू सुल्तान ने शृंगेरी मंदिर में शारदा देवी की मूर्ति के निर्माण के लिए धन दिया था। जबकि बंगाल में राजस्व कृषि पद्धति प्रारंभ करने का श्रेय अली मर्दान खान को नहीं बल्कि मुर्शीद कुली खान को है।

25. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(1) पानीपत के तृतीय युद्ध में अहमदशाह अब्दाली ने इब्राहिम लोदी को पराजित किया।
(2) तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध में टीपू सुल्तान की मृत्यु हुई।
(3) प्लासी के युद्ध में सिराजुद्दौला की पराजय के लिए मीर जाफर ने अंग्रेजों से मिलकर षड्यंत्र रचा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) 1, 2 और 3 (b) केवल 3
(c) 2 और 3 (d) कोई भी नहीं

I.A.S. (Pre) 2004

उत्तर–(b)

14 जनवरी, 1761 को पानीपत की तीसरी लड़ाई में अहमदशाह अब्दाली ने सदाशिव राव भाऊ के नेतृत्व वाली मराठा सेना को बुरी तरह परास्त किया। जे.एन. सरकार के अनुसार, महाराष्ट्र में संभवतः ही कोई परिवार ऐसा नहीं होगा, जिसने कोई न कोई संबंधी न खोया हो तथा कुछ परिवारों का तो सर्वनाश ही हो गया। 1790-92 ई. में हुए तीसरे आंग्ल-मैसूर युद्ध में टीपू सुल्तान केवल पराजित हुआ था, उसकी मृत्यु नहीं हुई थी। श्रीरंगपट्टनम की संधि से युद्ध-विराम संपन्न हुआ। टीपू की मृत्यु 1799 ई. में चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध में हुई थी। प्लासी के युद्ध (1757 ई.) में मीर जाफर ने अंग्रेजों से मिलकर सिराजुद्दौला के विरुद्ध षड्यंत्र रचा था। अन्य षड्यंत्रकारियों में साहूकार जगत सेठ, राय दुर्लभ तथा अमीन चंद्र प्रमुख थे। अतः केवल तीसरा कथन ही सत्य है।

गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय

नोट्स

***क्लाइव** के समय में असैनिक तथा सैनिक दोनों सुधार हुए। *असैनिक सुधारों के अंतर्गत क्लाइव ने उपहार लेना तथा निजी व्यापार बंद करा दिया। *उसने आंतरिक कर देना अनिवार्य बना दिया। *सैनिक सुधारों के अंतर्गत क्लाइव ने आज्ञा दी कि दोहरा भत्ता बंद कर दिया जाए तथा जनवरी, 1766 से यह भत्ता केवल उन सैनिकों को ही मिलता था, जो बंगाल तथा बिहार की सीमा से बाहर कार्य करते थे।

Scanned with OKEN Scanner